11

नीति के दोहे

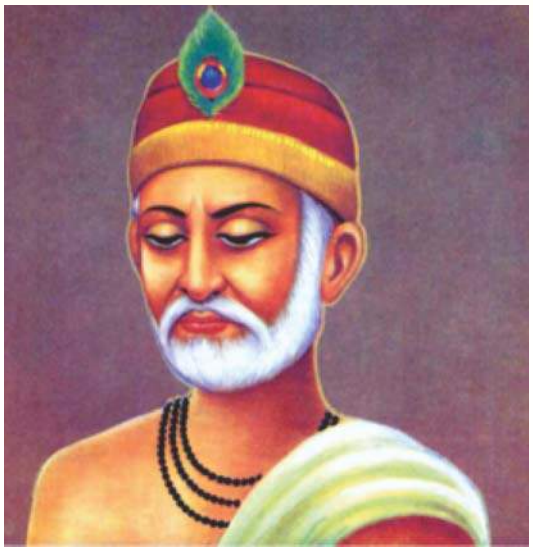

कबीर

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपणा, मुझसा बुरा न कोय।।
गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।
बलिहारी गुरु आपरी, गोविन्द दियो बताय।।
साईं इतना दीजिए, जामैं कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय।।

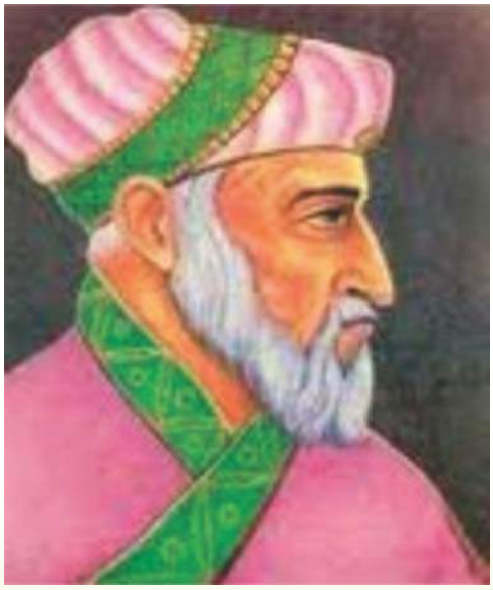

रहीम

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो छिटकाय।
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गाँठ पड़जाय।।
बड़े बड़ाई ना करें, बड़े न बोले बोल।
रहिमन हीरा कब कहे, लाख हमारो मोल।।
तरुवर फल नहीं खात है, सरवर पिए न पान।
कह रहीम पर काज हित, संपत्ति संचहि सुजान।।
जे गरीब पर हित करै, ते रहीम बड़ लोग।
कहा सुदामा बापुरौ, कृष्ण मिताई जोग।।

अभ्यास–कार्य

शब्द–अर्थ

मिलिया – मिला
खोजा – खोजना
बलिहारी – न्योछावर
सरवर – तालाब
संचहि – संचय करते हैं
परहित – दूसरों की भलाई
साँई – ईश्वर, भगवान
कुटुम – कुटुम्ब, परिवार
साधु – सज्जन
छिटकाय – झटका देकर
तरुवर – पेड़
बापुरौ – असहाय / बेचारा
मिताई – मित्रता, दोस्ती

उच्चारण के लिए

कृष्ण, संपत्ति, कुटुम, तरुवर, मिताई

सोचें और बताएँ

1. गोविन्द से बड़ा किसको बताया गया है ?
2. बड़े लोगों की तुलना किससे की गई है ?
3. कृष्ण ने किसके साथ मित्रता निभाई थी ?

लिखें

1. सही उत्तर का क्रमाक्षर छाँटकर कोष्ठक में लिखें

(अ) 'बुरा जो देखन मैं चला', का आशय है– जब मैं बुरे व्यक्ति को ढूँढने चला तो मुझे –

(क) बुरे ही बुरे मिले (ख) कोई बुरा नहीं मिला
(ग) कुछ बुरे–कुछ भले मिले (घ) सब भले ही भले मिले ( )

(ब) बड़े बड़ाई न करे ..... दोहे में हीरा अपना महत्त्व (मूल्य) इसलिए नहीं बताता है, क्योंकि –

(क) वह बोल नहीं सकता है। (ख) उसे अपना मूल्य मालूम नहीं है।

(ग) न बताना बड़प्पन की निशानी है। (घ) लाख रुपये का मोल कम है। ( )

2. दोहे लिखकर बताएँ
   (अ) कबीर के किस दोहे में 'प्रेम' का महत्तव बताया गया है ?
   (ब) गुरु पर न्योछावर होने का भाव किस दोहे में है ?
   (स) ''सरोवर स्वयं पानी नहीं पीता है'', अर्थ बताने वाला दोहा लिखें।
3. 'मुझसा बुरा न कोय', क्यों कहा गया हैं ?
4. गुरु को गोविन्द से भी बड़ा क्यों बताया जाता है ?
5. 'टूटे से फिर ना जुड़ै, जुड़ै गाँठ पड़ जाय।' का क्या आशय है ?
6. 'बड़े बड़ाई ना करे .....' दोहे के अनुसार बड़े आदमी अपनी प्रशंसा स्वयं क्यों नहीं करते ?
7. दोहे की पंक्ति को पूरा करें
   (अ) बुरा जो देखन मैं चला, ... ।
   (ब) ....., साधु न भूखा जाय।
   (स) रहिमन धागा प्रेम का, ... ।
   (द) ..... पिय न पान।

भाषा की बात

- मोहन ने मीठा दूध पीया। वाक्य में 'दूध' शब्द से पहले मीठा शब्द आया है जो दूध के मीठा होने की विशेषता बता रहा है। विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उनके आगे विशेषण जोड़ें–

  कच्चा, घना, चमकीला, गहरा, मोटी, भला

  जैसे – भला आदमी ..... गाँठ

  .....तालाब ..... हीरा

  ..... पेड़ ..... धागा

यह भी करें–

- दोहे याद कर अपनी प्रार्थना सभा में व शनिवारीय बाल सभा में गाएँ।
- अपने से बड़ों से दोहे सुनें और समझें ।

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं। –सत्य साँईं बाबा